

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2827

05 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए निर्धारित

इनोवेशन परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इन्सपायर)

†2827. श्रीमती डी. के. अरुणा:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इन्सपायर) कार्यक्रम के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है और उक्त कार्यक्रम से लाभान्वित हुए छात्रों एवं युवा शोधकर्ताओं की संख्या का घटक-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का प्रतिभाशाली छात्रों को विज्ञान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'इन्सपायर' कार्यक्रम को सुदृढ़ करने का विचार है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषकर ग्रामीण, दूरस्थ और आकांक्षी जिलों में पहुंच और भागीदारी में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): विगत पाँच वर्षों के दौरान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान खोज में नवाचार (इंस्पायर) कार्यक्रम ने अपने चार प्रमुख घटकों के माध्यम से शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षेत्र की विभिन्न अवस्थाओं में वैज्ञानिक प्रतिभाओं को व्यवस्थित रूप से प्रोत्साहित एवं विकसित किया है। इंस्पायर मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पीरेशन एंड नॉलेज) 10-17 वर्ष की आयु के छात्रों (कक्षा VI-XII) को मौलिक विचारों एवं नवाचारों को विकसित करने तथा उन्हें प्रदर्शित करने लिए प्रोत्साहित करके उनमें नवाचार एवं वैज्ञानिक सृजनात्मकता को बढ़ावा देता है। उच्चतर शिक्षा हेतु इंस्पायर छात्रवृत्ति (शी) प्राकृतिक एवं मूलभूत विज्ञानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे 17-22 वर्ष की आयु के मेधावी छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 12,000 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं, जिनमें प्रत्येक छात्रवृत्ति का मूल्य 80,000 रुपये प्रति वर्ष है। इंस्पायर अध्येतावृत्ति उत्कृष्ट स्नातकों एवं इंस्पायर शोधकर्ताओं को पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम (कार्यक्रमों) के माध्यम से अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके अंतर्गत अधिकतम पाँच वर्षों तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (जेआरएफ) के रूप में 37,000 रुपये प्रति माह, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (एसआरएफ) के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह, अनुमन्य मकान किराया भत्ता (एचआरए) तथा 20,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान शामिल है। इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति उत्कृष्ट पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ताओं को पाँच वर्ष की अध्येतावृत्ति के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। सामान्यतः 27-32 वर्ष की आयु वर्ग के

शोधकर्ता इसके लिए पात्र होते हैं तथा आरक्षित श्रेणियों के लिए लागू आयु-सीमा में छूट का प्रावधान है। अध्येता को प्रति माह 1,25,000, रुपए 2,000 रुपए की वार्षिक वृद्धि तथा अध्येतावृत्ति अवधि के दौरान ₹35 लाख का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया जाता है।

सरकार विज्ञान के क्षेत्र में मेधावी छात्रों को उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने एवं अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान खोज में नवाचार (इंस्पायर) कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विगत पाँच वर्षों के दौरान इंस्पायर कार्यक्रम के अंतर्गत घटक-वार संचालित गतिविधियों का विवरण, जिसमें प्रत्येक घटक के अंतर्गत सहायता प्राप्त एवं युवा शोधकर्ताओं की संख्या भी शामिल है, नीचे दिया गया है:

योजना/वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
इंस्पायर -मानक	52720	43381	46926	50009	49805
इंस्पायर -एसएचई(शी)	18039	19771	18236	20354	24276
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	2768	2872	2811	2448	3364
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	474	338	299	225	477

देश की युवा पीढ़ी द्वारा नवोन्मेषी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, इन घटकों के प्रभाव की निगरानी एवं विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि इनके संबंध में रणनीतिक योजना बनाने में सुविधा हो।

(घ) सरकार ने देशभर में इंस्पायर कार्यक्रम की पहुँच और समावेशिता को व्यापक स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए लक्षित क्रियाकलापों की एक शृंखला शुरू की है, जिसमें विशेष रूप से ग्रामीण, दूरदराज़ एवं आकांक्षी जिलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इन प्रयासों में राज्य शिक्षा विभागों, जिला शिक्षा अधिकारियों, विद्यालयों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से सूचना का व्यापक एवं गहन प्रसार; नामांकनों की गुणवत्ता एवं पहुँच में सुधार के लिए शिक्षकों एवं विद्यालय प्राधिकरणों हेतु जागरूकता अभियानों, अभिमुखीकरण कार्यक्रमों, वेबिनारों तथा क्षमता-वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन; तथा स्कूली छात्रों के बीच नवोन्मेषी विचारों की पहचान, प्रोत्साहन एवं संवर्धन के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों एवं परियोजना प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसीएस, एसएलईपीसीएस तथा एनएलईपीसीएस) का आयोजन शामिल है। नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर तथा अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संगठनों जैसे अग्रणी संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें चयनित छात्रों को प्रोटोटाइप विकास, नवाचार एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इन सतत प्रयासों से इंस्पायर कार्यक्रमों में देश के विभिन्न क्षेत्रों तथा हमारे समाज के विभिन्न वर्गों की समावेशी भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

ग्रामीण एवं दूरदराज़ जिलों से आने वाले छात्रों ने बढ़ी संख्या में नवाचार अनुदान, मार्गदर्शन सहायता तथा राष्ट्रीय मंचों पर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसरों का लाभ उठाया है। सामूहिक रूप से, इन क्रियाकलापों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासापूर्ण अनुसंधान की संस्कृति को सुदृढ़ किया है, जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित किया है, विज्ञान शिक्षा, छात्रवृत्तियों एवं अनुसंधान अध्येतावृत्ति तक समान अवसरों का विस्तार किया है तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से उभरती युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की एक सुदृढ़ शोध एवं वैज्ञानिक प्रतिभा शृंखला के विकास को बढ़ावा दिया है।
